रेलवे के संबंध में गुजरात के प्रस्ताव

300. **श्री राम सिंह राठवा :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान गुजरात सरकार की ओर से रेलवे के संबंध में सरकार को मिले प्रस्ताव का ब्यौरा क्या है ;

(ख) प्रत्येक प्रस्ताव पर की गई कार्यवाही का ब्यौरा क्या है ; और

(ग) सरकार ने पिछले तीन वर्षों के दौरान, वर्षवार, गुजरात में रेलों में सुधार करने तथा उनका विस्तार करने के लिए क्या कदम उठाए हैं ?

रेल मंत्री (श्री सी० के० जाफर शरीफ) : (क) प्रमुख रेल परियोजनाओं, अर्थात् नई लाइनों, आमान परिवर्तन और विद्युतीकरण के संबंध में, पिछले तीन वर्षों के दौरान गुजरात सरकार से प्राप्त प्रस्तावों का ब्यौरा नीचे दिया गया है :—

क्रम सं०	प्रस्ताव	लम्बाई	अनुमानित लागत
1	राजकोट-वेरावल (आमान परिवर्तन)	185 कि० मी०	185 करोड़ रुपए
2	गांधीधाम-भुज (आमान परिवर्तन)	58 कि० मी०	43 करोड़ रुपए
3	भावनगर-तारापुर (नई लाइन)	150 कि० मी०	150 करोड़ रुपए
4	सदलखी-वालनेर-मोरवी (आमान परिवर्तन)	92 कि० मी०	75 करोड़ रुपए
5.	बनास कांठा-धर्मपुर-नासिक (नई लाइन)	132 कि०मी०	200 करोड़ रुपए
6	प्रतापनगर-छोटा उदयपुर (छोटी लाइन का बड़ी लाइन में बदलाव)	100 कि० मी०	75 करोड़ रुपए
7	दिल्ली-अहमदाबाद (आमान परिवर्तन)	934 कि० मी०	804 करोड़ रुपए
8	साबरमती गांधीनगर (विद्युतीकरण)	28 कि० मी०	12 करोड़ रुपए (शुरू की जा रही है)

(ख) यातायात की कम संभावनाओं अथवा वित्तीय दृष्टि से अलाभप्रद होने और संसाधनों की तंगी के कारण, ये परियोजनायें शुरू नहीं की जा सकीं ।

(ग) गुजरात में रेलों में सुधार लाने तथा उनके विस्तार के लिए पिछले तीन वर्षों के दौरान शुरू की गई परियोजनाओं का ब्यौरा नीचे दिया गया है :—

(1) गोधरा–दाहोद-इंदौर और देवास–मकसी (316 कि० मी० में से 82 कि० मी० गुजरात में) (1989–90)	316 कि० मी०	297.14 करोड़ रुपए
(2) वीरमगाम-भिलडी (कांडला और भटिंडा के बीच सीधे सम्पर्क का भाग) (1990–91)	157 कि० मी०	155.66 करोड़ रुपये